RAF SECTOR
NEWS CLIP
19/01/20

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hindustan , Aligarh (UP)

हम पहुंचे तब छात्र कर रहे थे पथराव, चेतावनी रही बेअसर

अलीगढ़ | कार्यालय संवाददाता

एएमयू बवाल में हाईकोर्ट के आदेश पर मानवाधिकार आयोग की जांच टीम ने पांचवें दिन पुलिस, प्रशासन और आरएएफ अफसरों के अलावा कर्मियों व एएमयू छात्रों के बयान दर्ज किए। अमले ने 15 दिसंबर को एएमयू में हुए बवाल को थामने को किए प्रयासों के साथ-साथ उस वक्त के हालात से भी टीम को वाकिफ कराया। पड़ताल में सामने आए सभी बिंदुओं पर टीम ने अफसरों व कर्मियों से पूछताछ भी की।

शुक्रवार को सर्किट हाउस में ही टीम रही। यहां आरएएफ की ओर से टीम को घटनाक्रम से वाकिफ कराते हुए बताया कि जब आरएएफ एएमयू सर्किल पर पहुंची तब छात्र रजिस्ट्रार ऑफिस के पास बने बैरिकेडिंग तक पहुंच गए थे और पथराव कर रहे थे। छात्रों को रोकने के लिए पुलिस की ओर से लगातार माइक के जरिए चेतावनी दी जा रही थी कि शांत हो जाएं वरना सख्ती करनी पड़ेगी। लेकिन छात्रों का पथराव जारी रहा। छात्रों पर पानी की बौछार करके रोकने का प्रयास किया, लेकिन छात्र नहीं माने। आरएएफ ने वाटर केनन के जरिए पानी की तेज बौछार की तब कहीं छात्रों ने पीछे हटना शुरू किया और फोर्स आगे बढ़ते हुए बाबे सैयद गेट तक पहुंच गया। लेकिन यहां छात्रों की ओर से दो ओर से पथराव जारी रहा। इस पथराव में पुलिस के साथ ही आरएएफ के भी कई जवान घायल हुए जिनका मेडिकल परीक्षण भी कराया गया था।यहां सर्किट हाउस में सुबह से ही बयान दर्ज करने के साथ ही घटना को लेकर पूछताछ का सिलसिला जारी रहा। देर शाम तक पुलिस प्रशासन और संबंधित लोगों ने आयोग की टीम को घटनाक्रम की जानकारी के साथ ही अन्य तथ्यों से भी वाकिफ कराया।

सर्किट हाउस में शुक्रवार को मानवाधिकार आयोग की जांच टीम को बयान दर्ज कराते आरएएफ व पुलिस के अफसर।

एएमयू छात्रों ने भी दर्ज कराए बयान

मानवाधिकार आयोग की टीम को पांचवें दिन भी एएमयू छात्र बयान दर्ज कराने के लिए सर्किट हाउस पहुंचे। कई छात्रों ने टीम को साक्ष्य देने के साथ ही कैंपस में पुलिस बर्बरता की जानकारी दी, पूछताछ के बाद अपने बयान भी दर्ज कराए। इसमें कुछ मुकदमे में नामजद आरोपी छात्र भी शामिल थे।

सप्ताह भर का मांगा था समय, छात्रों के आने का इंतजार

15 दिसंबर को एएमयू में बवाल और पुलिस के कैंपस के भीतर घुसकर बर्बरता करने के मामले में याचिकाकर्ताओं ने बताया कि आयोग टीम के जांच के लिए तय शेड्यूल मुताबिक जो छात्र यहां मौजूद थे उनके बयान दर्ज करा दिए गए हैं, जो शेष है उनके बयान दर्ज कराने व साक्ष्य मुहैया कराने के लिए सप्ताह भर का समय मांगा था। अगले सप्ताह में बाकी छात्रों के बयान भी दर्ज करा दिए जाएंगे। टीम आज भी बयान दर्ज कर सकती है।

जांच

- आरएएफ अफसर, जवानों व पुलिसकर्मियों ने दर्ज कराए बयान
- बताया 15 दिसंबर को प्रशासन ने दी थी बवाल होने की सूचना

सौ से ज्यादा के बयान दर्ज

अलीगढ़। हाईकोर्ट आदेश पर एएमयू बवाल की जांच करने आई मानवाधिकार आयोग की टीम ने वापसी कर ली है। अब टीम अगले सप्ताह फिर आदम दर्ज करा सकती है। जांच के पांच दिन में टीम ने सौ से ज्यादा के बयान दर्ज किए हैं। इसमें पुलिस-प्रशासन, आरएएफ के अफसर, एएमयू प्रॉक्टर टीम, सुरक्षा कर्मी और छात्रों के बयान दर्ज हुए हैं। जबकि याचिकाकर्ताओं ने अपना पक्ष रखने के लिए सप्ताह भर का समय मांगा था। 15 दिसंबर को नागरिकता कानून के विरोध में आंदोलनरत एएमयू छात्रों का आक्रोश भड़क गया था। हाईकोर्ट के आदेश पर बीते सोमवार को मानवाधिकार आयोग की एसएसपी इंवेस्टिगेशन की अगुवाई में सात सदस्यीय टीम ने जांच की। टीम से जुड़े अफसरों ने बताया कि पांच दिन का शेड्यूल लेकर टीम यहां आई थी जो पूरा हुआ। अब जल्द ही अगला शेड्यूल तय होने के बाद वापसी संभव है।

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।